



Lokes soni



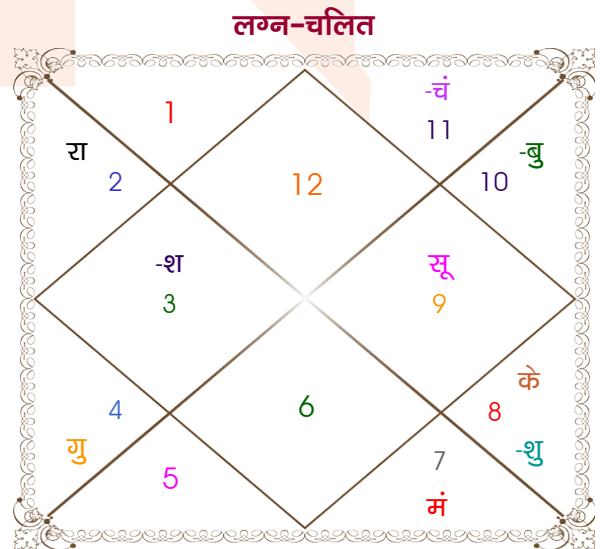
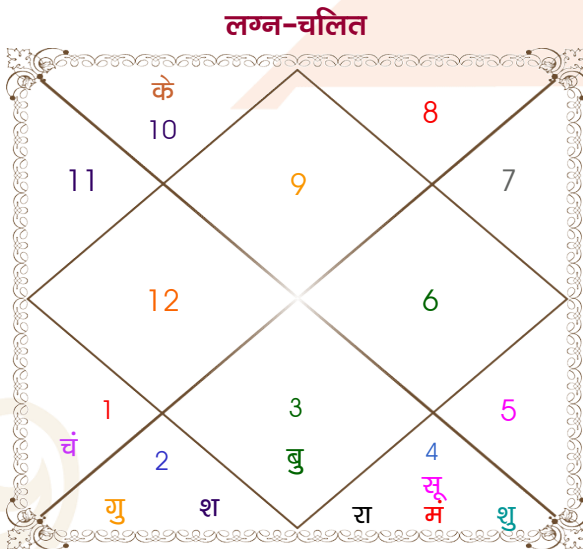
Subhangi Soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120644205

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 25/07/2000 : _____ जन्म तिथि _____ : 06/01/2003
 मंगलवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 17:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 12:40:00 घंटे
 घटी 28:08:51 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 13:03:42 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jodhpur : _____ स्थान _____ : Jodhpur
 26:18:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:18:00 उत्तर
 73:08:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 73:08:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:37:28 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:37:28 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:59:27 : _____ सूर्योदय _____ : 07:26:31
 19:28:04 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:59:56
 23:51:39 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:53:42

विंशोत्तरी शुक्र 7वर्ष 0मा 8दि मंगल		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 4मा 5दि गुरु	
04/08/2023		06:35:57	धनु	लग्न	मीन	28:08:02	13/05/2022	
03/08/2030		08:57:58	कर्क	सूर्य	धनु	21:38:41	13/05/2038	
		21:59:03	मेष	चंद्र	कुंभ	04:06:01		
		01:52:33	कर्क	मंगल	तुला	29:05:22		
मंगल	31/12/2023	19:29:22	मिथु	बुध व	मक	03:20:57	गुरु	30/06/2024
राहु	17/01/2025	10:59:21	वृष	गुरु व	कर्क	22:30:11	शनि	11/01/2027
गुरु	24/12/2025	21:05:02	कर्क	शुक्र	वृश्चि	04:52:16	बुध	18/04/2029
शनि	02/02/2027	05:04:14	वृष	शनि व	मिथु	00:08:56	केतु	25/03/2030
बुध	30/01/2028	00:43:23	कर्क	राहु व	वृष	14:10:14	शुक्र	23/11/2032
केतु	27/06/2028	00:43:23	मक	केतु व	वृश्चि	14:10:14	सूर्य	11/09/2033
शुक्र	27/08/2029	25:38:26	मक व	हर्ष	कुंभ	02:36:30	चन्द्र	11/01/2035
सूर्य	02/01/2030	11:23:05	मक व	नेप	मक	15:51:10	मंगल	18/12/2035
चन्द्र	03/08/2030	16:28:31	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	24:34:23	राहु	13/05/2038



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सिंह	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Lokes soni का वर्ग मृग है तथा Subhangi Soni का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Lokes soni और Subhangi Soni का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Lokes soni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Lokes soni की कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Lokes soni की कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Subhangi Soni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Pandit Sanjay Joshi

90, Amar Nagar, Pal Road

Jodhpur, Rajasthan, India

9214632011

panditsanjay.joshi@gmail.com

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Subhangi Soni कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Lokes soni कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Lokes soni कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Lokes soni तथा Subhangi Soni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।